सांध्य दैनिक
4PM

प्रसन्नता पहले से निर्मित कोई चीज नहीं है। ये आप ही के कर्मों से आती है।
-दलाई लामा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 259 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 27 अक्टूबर, 2023

विश्वकप: श्रीलंका ने अंग्रेजों की राह में... 7 | जांच एजेंसी के सहारे चुनाव को... 3 | भाजपा के कई नेता मेरे संपर्क... 2

मुख्तार अंसारी दोषी करार सजा का ऐलान

कपिलदेव सिंह की हत्या मामले में चल रहा केस

10 साल की कैद व पांच लाख का जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। माफिया मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर मामले में दोषी करार दिया गया है। उन्हे 10 साल की कैद व 5 लाख जुर्माने की सजा सुनाई गई है। बता दें कि इससे पहले भी गैंगस्टर के मामले में मुख्तार अंसारी को सजा हो चुकी है। फैसला सुनाए जाने के दौरान मुख्तार अंसारी को बांदा जेल से वीसी के जरिए पेश किया गया। अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर तीन एमपी/एमएलए कोर्ट अरविंद कुमार मिश्र की अदालत में गुरुवार को गैंगस्टर मामले में आरोपी मुख्तार अंसारी और उसके शार्गिद सोनू यादव को दोषी करार दिया था।

इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्तार बांदा जेल से न्यायालय में पेश हुआ जबकि सोनू यादव न्यायालय में मौजूद था। 17 अक्टूबर को अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक शासकीय अधिवक्ता नीरज श्रीवास्तव, मुख्तार अंसारी एवं सोनू यादव के अधिवक्ताओं ने अपना-अपना तर्क प्रस्तुत किया था। बहस सुनने के बाद न्यायालय ने फैसले के लिए तिथि नियत की थी। न्यायालय ने शाम चार बजे निर्णय सुनाते हुए मुख्तार और सोनू यादव को गैंगस्टर एक्ट के तहत दोषी पाया। सजा निर्धारण के लिए 27 अकटूबर की तिथि तय की थी।

2009 में कपिलदेव सिंह व अमीर हसन की हुई थी हत्या

2009 में करंडा थाना क्षेत्र के सबुआ निवासी कपिलदेव सिंह की हत्या और मुहम्मदाबाद के अमीर हसन की हत्या के प्रयास के मामले को आधार बनाकर मुख्तार अंसारी और सोनू यादव के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत करंडा थाना में मुकदमा दर्ज हुआ था। लंबे समय से इस मामले में सुनवाई चल रही थी। सात अक्तूबर को मुख्तार अंसारी का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए और सोनू यादव का बयान दर्ज हुआ था। इसके बाद बहस के लिए 11 अक्टूबर की तिथि तय की गई थी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी।

सरकार कर रही साजिश, मैं डरने वाला नहीं : अफजाल अंसारी

गैंगस्टर मामले में सजायाफ्ता बसपा का पूर्व सांसद गुरुवार शाम गाजीपुर जिला जेल से जमानत पर बाहर आये तो उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। मुहम्मदाबाद स्थित आवास फाटक पर पहुंचते ही अफजाल ने समर्थकों को संबोधित किया। कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट से इंसाफ मिल गया और सजा स्टे हो गई तो हमारी लोकसभा सदस्यता भी बहाल होगी। अगर नहीं हुआ तो यहां उपचुनाव होने की संभावना है। पूर्व सांसद ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि उनकी सोच थी कि लोग दहशत में आ जाएं, डर जाएं, लेकिन लोग डरे नहीं। यह सारी कार्रवाई गरीब और कमजोर लोगों को डरा देने की है। सरकार महंगाई और बेरोजगारी से ध्यान हटाने के लिए साजिश के तहत विरोधियों को फंसाने का काम कर रही है। मुझे भी फंसाया गया लेकिन मै डरने वाला नहीं हूं।

अफजाल अंसारी ने अपने आवास पर पहुंचे समर्थकों का शुक्रिया भी अदा किया और कहा कि इस कस्बे के लोगों का मैं बहुत शुक्रगुजार हूं। मेरा दिल जीत लिया इस कस्बे के लोगों ने। जब जेल गया तो उस समय बस एक ही चिंता सता रही थी कि हमें बंद किया गया है और पांच दिन बाद नगर पालिका परिषद का चुनाव है। अफजाल के जेल से बाहर आने पर सियासी तापमान गाजीपुर जिले का सियासी तापमान बढ़ना तय माना जा रहा है। अफजाल की संसद की सदस्यता समाप्त होने के बाद उपचुनाव को लगाए जा रहे कयास और चुनावी समीकरण अब बदले नजर आएंगे। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन से अफजाल ने गाजीपुर लोकसभा सीट से चुनाव जीता था।

आजम खां के करीबियों के घर फिर आईटी की छापेमारी

» रामपुर पहुंची आयकर विभाग की टीम, पुलिस की टीम भी मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। आयकर विभाग की टीम ने पिछले माह पूर्व मंत्री आजम खां के घर तीन दिन तक छापेमारी की थी। उनके करीबियों के घरों पर भी जांच पड़ताल की थी। शुक्रवार को फिर आयकर भाग की टीम रामपुर पहुंच गई। इस दौरान हड़कंप मच गया। टीम लगातार लोगों से पूछताछ करने में जुटी है। अपर पुलिस अधीक्षक संसार सिंह ने बताया कि फोर्स मांगा गया है, जो उपलब्ध करा दिया गया है।

शहर कोतवाली क्षेत्र में नवाब गेट के पास आजम खान के करीबी ठेकेदार फरहत खां के यहां छापेमारी की गई है,

जबकि गंज थाना क्षेत्र में घेर नज्जू खां मुहल्ले में ठेकेदार असद के घर टीम पहुंची है। असद मूल रूप से संभल का रहने वाला है। फिलहाल घर के भीतर से किसी को बाहर आने और बाहर से किसी शख्स को भीतर जाने की अनुमति नहीं है। आईटी रेड के चलते इलाके में तरह तरह की चर्चाएं चल रही हैं। मिलक के स्टेशन रोड निवासी एक ठेकेदार के यहां पर बरेली से इनकम टैक्स की टीम आई है। सुबह 9:00 बजे टीम ठेकेदार के घर पर पहुंची। अभी भी टीम ठेकेदार के घर के अंदर कागजों को छानबीन कर रही है। आयकर विभाग के निशाने पर सपा नेता आजम खां काफी समय से हैं। पिछले माह विभाग की टीम ने सपा नेता आजम खां और चमरौवा के सपा विधायक नसीर अहमद के यहां कार्रवाई की थी। करीब साठ घंटे की छापेमारी के बाद टीम वापस चली गई थी।

केंद्र-बीजेपी के खिलाफ आप का हल्ला बोल

» पुलिस ने प्रोटेस्टर्स को रोका, कई नेता हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन जारी है। आप के कार्यकर्ता संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद से केंद्र की दमनकारी नीतियों का विरोध कर रहे हैं। बता दें कि आप सांसद संजय सिंह की ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद आज उनकी न्यायिक हिरासत की मियाद समाप्त हो रही है। संजय सिंह को आज राउज ऐवेन्यू कोर्ट में पेश किया जाएगा।

इस दौरान आप के दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के सैकड़ों नेता और हजारों कार्यकर्ता बीजेपी और केंद्र के खिलाफ अपनी सख्त नाराजगी का इजहार दिल्ली की सड़कों पर कर रहे हैं. आप के कार्यकर्ता संजय सिंह का तत्काल रिहा करने की मांग कर रहे हैं। आप कार्यकर्ताओं को पार्टी दफ्तर के सामने जोरदार प्रदर्शन जारी है। जेल में बंद आप सांसद संजय सिंह की रिहाई की मांग को लेकर पार्टी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं को बीजेपी कार्यालय की ओर बढ़ने से रोक दिया।

'भाजपा के कई नेता मेरे संपर्क में'

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी में पार्टी, पूर्व सांसद थाम सकते हैं हाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि सपा-बसपा ही नहीं भाजपा के भी कई सांसद व पूर्व सांसद संपर्क में हैं। हालांकि वह उनका नाम अभी स्पष्ट नहीं करते हैं, लेकिन इतना जरूर कहते हैं कि कांग्रेस की कोशिश होगी कि दूसरे दल से आने वाले हर नेता का सम्मान रखा जाए। जो भी कांग्रेस में आएगा, उसका स्वागत करने के लिए पूरी टीम तैयार हैं। हम उनकी सकारात्मक ऊर्जा लेकर भाजपा का सफाया करेंगे। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सपा और बसपा के सांसद व पूर्व सांसद कांग्रेस का हाथ थामने की तैयारी में है।

कांग्रेस आला कमान से दोनों दलों के एक-एक सांसद की पहली दौर की बातचीत भी हो चुकी है। ये दोनों सांसद अपने-अपने दलों के अन्य नेताओं से मशविरा कर रहे हैं। इनके जरिए कांग्रेस पश्चिम से पूरब तक नया समीकरण तैयार कर अपनी वोटबैंक की गठरी भारी करने में जुटी है। मध्य प्रदेश चुनाव के बहाने सपा और कांग्रेस की तल्खी सामने आ चुकी है। कांग्रेस नेता कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बयान के सियासी मायने हैं। ऐसे हालात में सपा और बसपा के तमाम नेता कांग्रेस से नजदीकियां बढ़ा रहे हैं। वे बदली सियासी परिस्थितियों में भविष्य की रणनीति तैयार कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि सपा और बसपा के एक-एक सांसद और कई पूर्व सांसद कांग्रेस हाईकमान के संपर्क में हैं। दोनों दलों के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नेताओं की एक दौर की बातचीत भी हो चुकी है। वे लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पाला बदलने की तैयारी में हैं। इन नेताओं के जरिये कांग्रेस न सिर्फ लोकसभा चुनाव, बल्कि भविष्य की सियासत भी साधना चाहती है। कांग्रेस पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इमरान मसूद, पूर्व मंत्री कोकब हमीद के बेटे अहमद हमीद और फिरोज आफताब जैसे नेताओं को अपने पाले में कर पहले ही अल्पसंख्यकों को जोड़ने का संदेश दे चुकी है। इससे पहले भी सपा और बसपा के कई अल्पसंख्यक नेता कांग्रेस का हाथ थाम चुके हैं। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने जेल गेट पर आजम खां के लिए फल व अन्य सामग्री लेकर पहुंचे थे। उन्होंने जेल प्रशासन को टोकरी सौंपी और कहा कि इसे सुरक्षित पहुंचा दें।

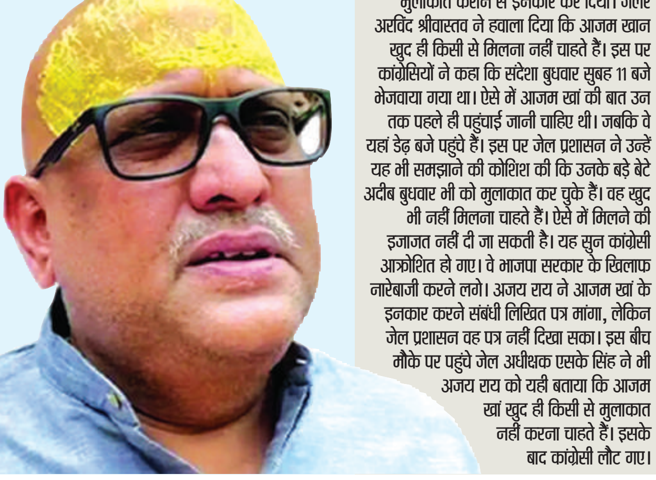

भाजपा की साजिश से नहीं मिल पाए आजम

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय लाव लश्कर के साथ बृहस्पतिवार दोपहर सीतापुर जेल गेट तक पहुंचे, लेकिन आजम खां से मुलाकात की ख्वाहिश अधूरी रह गई। जेल प्रशासन ने आजम खां के मुलाकात करने से इनकार कहने का हवाला देकर उन्हें लौटा दिया। अजय राय ने इसे भाजपा की साजिश करार दिया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, संगठन सचिव अनिल यादव, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शाहनवाज आलम सहित अन्य नेताओं के साथ दोपहर बाद करीब डेढ़ बजे सीतापुर जेल पहुंचे। यहां जेल प्रशासन ने मुलाकात कराने से इनकार कर दिया। जेलर अरविंद श्रीवास्तव ने हवाला दिया कि आजम खान खुद ही किसी से मिलना नहीं चाहते हैं। इस पर कांग्रेसियों ने कहा कि संदेशा बुधवार सुबह 11 बजे भेजवाया गया था। ऐसे में आजम खां की बात उन तक पहले ही पहुंचाई जानी चाहिए थी। जबकि वे यहां डेढ़ बजे पहुंचे हैं। इस पर जेल प्रशासन ने उन्हें यह भी समझाने की कोशिश की कि उनके बड़े बेटे अदीब बुधवार भी को मुलाकात कर चुके हैं। वह खुद भी नहीं मिलना चाहते हैं। ऐसे में मिलने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। यह सुन कांग्रेसी आक्रोशित हो गए। वे भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। अजय राय ने आजम खां के इनकार करने संबंधी लिखित पत्र मांगा, लेकिन जेल प्रशासन वह पत्र नहीं दिखा सका। इस बीच मौके पर पहुंचे जेल अधीक्षक एसके सिंह ने भी अजय राय को यही बताया कि आजम खां खुद ही किसी से मुलाकात नहीं करना चाहते हैं। इसके बाद कांग्रेसी लौट गए।

मुझे षड्यंत्र कर फंसाया गया : ज्योतिप्रिय मलिक

» भाजपा ने कहा- ममता को चोरों से सहानुभूति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पीडीपी राशन वितरण घोटाले में मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक की गिरफ्तारी पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सुकांत मजुमदार ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बंगाल के मंत्री की गिरफ्तारी को निश्चित बताया है और साथ में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर चोरों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। अपनी गिरफ्तारी को बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक ने एक षड़यंत्र बताया है। उन्होंने कहा, मैं एक बड़ी साजिश का शिकार हूं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ज्योतिप्रिय मलिक को राशन वितरण घोटाले मामले में गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तारी के बाद उन्हें कोलकाता के ईएसआई अस्पताल में स्वास्थ्य जांच के लिए ले जाया गया। ज्योतिप्रिय मलिक से 17-18 घंटे की पूछताछ के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन्हें अब स्थानीय अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा, जहां ईडी उनकी हिरासत की मांग करेगी। उनकी गिरफ्तारी से पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने धमकी दी थी। उन्होंने कहा कि अगर पूछताछ के दौरान मलिक को कुछ भी होता है तो वह पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगी। क्योंकि मलिक अस्वस्थ्य हैं और वह कई बीमारियों से भी जूझ रहे हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने गुरुवार को मलिक के परिसर में छापेमारी की थी। उन्होंने उनके कोलकाता के एमहर्स्ट स्ट्रीट के आवास पर भी छापेमारी की। ज्योतिप्रिय मलिक के ऊपर कोविड लॉकडाउन के समय राशन वितरण के दौरान घोटाला करने का आरोप है।

आलाकमान का फैसला करेंगे स्वीकार : सचिन पायलट

» गहलोत के सीएम बनने के बयान पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में पार्टी नेताओं का सामूहिक उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव जीतने के लिए एकजुट होकर काम करना है और सरकार का नेतृत्व कौन करेगा, इस पर आलाकमान विधायकों से बातचीत के बाद फैसला करेगा। कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि वह मुख्यमंत्री पद छोड़ना चाहते हैं, लेकिन यह पद उन्हें छोड़ नहीं रहा है और शायद छोड़ेगा भी नहीं।

उन्होंने यह भी कहा था कि कांग्रेस अलाकमान का जो भी फैसला होगा, वह सबको स्वीकार होगा। यहां कांग्रेस

मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान गहलोत के बयान के बारे में पूछे गए सवाल पर पायलट ने कहा कि इस पर प्रतिक्रिया देने की क्या जरूरत है? उन्होंने जो कहा होगा वो दशकों के अनुभव के आधार पर कहा होगा। हमारा सामूहिक उद्देश्य एकजुट होकर चुनाव लड़ना है और विधानसभा चुनाव कांग्रेस जीतेगी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस में परिपाटी है।

यूएनओ पूरी तरह बेकार हो गया : जोशी

» भाजपा नेता मुरली मनोहर बोले- भारतीय दर्शन ही शांति का मार्ग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस्राइल हमास युद्ध के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि दुनिया गंभीर संकट में फंसी हुई है। बंदूकें, रॉकेट, बमबारी, नरसंहार, धमकियां और दूसरे विश्व युद्ध की चेतावनियां है। अब तो कहा जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) बेकार हो गया है। इसके प्रमुख को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने शांति और समृद्धि के लिए लोगों से भारतीय दर्शन का शरण लेने का आह्वान किया है। दुनिया खतरनाक समय से गुजर रही है। उन्होंने इस्राइल हमास युद्ध पर भी चिंता जाहिर की।

जोशी ने आगे कहा कि लोगों ने किसी तरह उन वर्षों को तो पूरा कर लिया लेकिन ऐसा लगता है कि हम अगले 50 वर्षों को

पार नहीं कर पाएंगे। जलवायु की स्थिति गंभीर है। दुनिया अब बंट रही है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। हमारे चारों ओर अशांत अर्थव्यवस्था है। कट्टरपंथी और हिंसक दुनिया है। दुनिया में आज कहीं भी शांति नहीं है। दुनिया संतुलित है। यह सब सिर्फ हम और वे के विचार से शुरू हुआ है। लेकिन हमारे भारतीय दर्शन का वास्तविक उद्देश्य मोक्ष है। विश्व की समस्या का निदान भारतीय आध्यात्मिक विचार में निहित है। दुनिया में मौजूदा स्थिति को देखकर ऐसा लगता है कि मनुष्य 50 साल से अधिक समय तक धरती पर जीवित नहीं रह पाएंगे। भाजपा नेता जोशी आरएसएस पदाधिकारी और विचारक मनमोहन वैद्य की पुस्तक वी एंड द वल्डड अराउंड के विमोचन कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा कि 1979 में तत्कालीन संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा था कि अगर नेताओं ने हथियार नहीं छोड़ा, एक-दूसरे पर हमले बंद नहीं हुए और प्रकृति को नष्ट करना बंद नहीं किया तो मनुष्यों के पास अब सिर्फ कुछ ही साल है।

उन्होंने कहा था कि दुनिया गंभीर स्थिति में है। इसके बाद, मनमोहन वैद्य ने कहा कि आरएसएस को बाहर से समझना मुश्किल है लेकिन इसका हिस्सा बनने के बाद इसे समझना आसान है। संघ को समझने के लिए भारत, विशेषकर भारतीय विचारों को समझना जरूरी है।

फिर महबूबा संभालेंगी पीडीपी की कमान

» चौथी बार बनीं अध्यक्ष बेटी इल्तिजा समेत अन्य नेताओं ने दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के अध्यक्ष पद के लिए श्रीनगर स्थित पीडीपी मुख्यालय में चुनाव हुए। इस दौरान महबूबा मुफ्ती को किसी भी अन्य दावेदार का नाम प्रस्तावित नहीं हुआ। ऐसे में महबूबा मुफ्ती को निर्विरोध तीन साल की अवधि के लिए पार्टी का अध्यक्ष चुन लिया गया। महबूबा मुफ्ती की बेटी एवं उनकी सलाहकार इल्तिजा मुफ्ती समेत अन्य पार्टी नेताओं ने उन्हें बधाई दी। महबूबा मुफ्ती ने सभी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान महबूबा ने अपनी पार्टी की अब तक उपलब्धियों को गिनाया।

चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा रहे पार्टी नेताओं में से एक ने कहा कि श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में महबूबा मुफ्ती को फिर से अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया ध्वनिमत से संपन्न हुई। पार्टी के उपाध्यक्ष अब्दुल रहमान वीरी ने अध्यक्ष के रूप में महबूबा मुफ्ती के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका पार्टी महासचिव जी नबी लोन हंजुरा ने समर्थन किया। महबूबा मुफ्ती को लगातार चौथी बार पार्टी अध्यक्ष चुना गया है। पार्टी के सर्वोच्च पद के लिए चुनाव हर तीन साल के बाद होता है। पीडीपी की स्थापना 1999 में महबूबा मुफ्ती के पिता पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद ने की थी। महबूबा मुफ्ती जम्मू कश्मीर की पहली महिला मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। उन्होंने पीडीपी-भाजपा के गठबंधन की प्रदेश सरकार के दौरान चार अप्रैल 2016 से 19 जून 2018 तक जम्मू कश्मीर के नौवें मुख्यमंत्री के तौर पर पदभार संभाला। भाजपा के गठबंधन से टूटने के बाद महबूबा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

जम्मू में पूर्व मंत्री लाल सिंह की पत्नी और बेटे से ईडी ने की पूछताछ

मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को पूर्व मंत्री लाल सिंह की पत्नी और बेटे से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की। ईडी ने जम्मू के नरवाल स्थित कार्यालय में दोनों को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया था। बीते 17 अक्तूबर को ईडी की टीम ने लाल सिंह और अन्य के जम्मू, कठुआ और पठानकोट में आठ ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की थी। यह पूछताछ लाल सिंह की पत्नी कांता अंडोत्रा के नाम पर संचालित आरबी एजुकेशनल ट्रस्ट स्थापना के लिए भूमि खरीद में कथित अनियमितताओं के संबंध में है। सूत्रों का कहना है कि ईडी ने इस मामले में पूर्व नायब तहसीलदार रविंदर सिंह को भी समन जारी किया है। जो इस मामले में तीसरे मुख्य गवाह हैं। उनसे भी पूछताछ होगी और उनको बयान भी दर्ज होंगे। संभव है कि आने वाले दिनों में लाल सिंह को भी पूछताछ और उनके बयान लेने के लिए कार्यालय बुलाया जाए। हालांकि इसके बारे में कोई भी अधिकारी बात नहीं कर रहा। सीबीआई ने 12 सितंबर 2020 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी, जिसके बाद ईडी ने मनी लांड्रिग का मामला दर्ज किया है। सीबीआई इस मामले में 2021 में आरोप पत्र दायर कर चुकी है। आरोप पत्र में बताया गया था कि जम्मू और कश्मीर कृषि सुधार अधिनियम, 1976 की धारा 14 का उल्लंघन कर गिफ्ट डीड के माध्यम से लगभग 329 कनाल भूमि हासिल की।

जांच एजेंसी के सहारे चुनाव को जीतने का दांव!

हार देखकर तमतमाई बीजेपी, कांग्रेस को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता

- विपक्ष बोला इस कवायद से कोई लाभ नहीं
- खरगे बरसे- भाजपा के असली पन्ना प्रमुख बने ईडी व सीबीआई
- लालू का पलटवार- मोदी सरकार की होने वाली है विदाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव करीब आ रहे हैं वैसे-वैसे भाजपा की मोदी सरकार विपक्ष के ऊपर जांच ऐजेंसियों का शिकंजा कस रही है। उसके इस छापेमारी पर विपक्षी नेताओं ने भी जोरदार हमला शुरू कर दिया है। सियासी लोग कह रहे कि मोदी सरकार विपक्ष को बदनाम करके चुनावी लाभ लेना चाहती है। हालांकि इन छापेमारियों का लाभ होगा या नहीं ये चुनाव परिणाम ही बता पाएंगे। इसी सिलसिले में राजस्थान में कांग्रेस नेताओं के यहां ईडी की छापेमारी पर मल्लिकार्जुन खरगे और पायलट ने बीजेपी को घेरा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा, चुनाव आते ही ईडी, सीबीआई व आईटी आदि भाजपा के असली पन्ना प्रमुख बन जाते हैं। राजस्थान में अपनी निश्चित हार को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपना आखिरी दांव चला है। वहीं बिहार के दिग्गज नेता लालू यादव ने कहा है भाजपा की मोदी सरकार बस जाने वाली है इसलिये वह घबराहट में छापेमारी करवा रही है।

ईडी ने छत्तीसगढ़ के बाद राजस्थान में भी विधानसभा चुनाव अभियान में उतरते हुए कांग्रेसी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। ईडी ने कथित परीक्षा पत्र लीक मामले में धन शोधन जांच के सिलसिले में आज कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और महुआ विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार ओमप्रकाश हुड़ला के परिसरों पर छापे मारे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी सरकार की तानाशाही लोकतंत्र के लिए घातक है, हम एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ते रहेंगे, जनता भाजपा को करारा जवाब देगी। पटना के एतिहासिक गांधी मैदान में हमलोग भारी रैली करने वाले हैं। भाजपा हटाओ देश बचाओ। यहां से हवा देश भर में फैलेगी और नरेंद्र मोदी, अमित शाह और आरएसएस का सूपड़ा साफ होगा। कोई दिक्कत नहीं होगी, ये जा रहे हैं इसलिए छटपटा रहे हैं, छापा, छापा मारते रहते हैं, मुकदमा-मुकदमा और कोई काम नहीं है। कुछ प्राप्त नहीं होने वाला है।

भारत जोड़ों यात्रा से कांग्रेस को मिल रहा बल

अरविंदर सिंह लवली इसके पहले भी प्रदेश की कमान संभाल चुके हैं। अपने पिछले कार्यकाल में वे पार्टी के लिए कोई बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सके थे। इसके बाद भी यदि लोगों में उन्हें लेकर इतनी उम्मीद है तो इसके कुछ कारण समझे जा सकते हैं। दरअसल, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने उनमें उत्साह भर दिया है। उन्हें लगता है कि जिस तरह पूरे देश में कांग्रेस वापस करती दिखाई पड़ रही है, आने वाले समय में दिल्ली में भी पार्टी की वापसी हो सकती है। इस समय हो रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को कई राज्यों में अपनी वापसी होने की उम्मीद है। यदि पार्टी के लिए नतीजे सकारात्मक रहे तो दिल्ली की राजनीति पर भी इसका असर पड़ सकता है।

परंपरागत मुसलमान मतदाता फिर कांग्रेस की ओर

दूसरा बड़ा कारण है कि पूरे देश में कांग्रेस का परंपरागत मुसलमान मतदाता उसके पास वापस आ रहा है। दिल्ली में तो वह नगर निगम चुनाव के समय भी कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ा दिखाई पड़ा। ऐसे में कांग्रेस को लगता है कि दिल्ली में भी लोकसभा चुनाव में मुसलमान मतदाता उसके साथ आएगा। पिछले लोकसभा चुनाव में भी मुसलमान मतदाता कांग्रेस के साथ खड़ा रहा था, जिसके कारण कांग्रेस ने हर सीट पर मजबूत लड़ाई लड़ी और हर सीट पर दूसरे नंबर पर आई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कारण दलित और अन्य पिछड़े समुदाय के मतदाता पार्टी से जुड़ रहे हैं। यह ट्रेंड कर्नाटक से शुरू होने के बाद दूसरे राज्यों में भी दिखाई पड़ रहा है। इस समय दिल्ली में कांग्रेस में वापसी करने वाले नेताओं-कार्यकर्ताओं में भी यह वर्ग सबसे ज्यादा है। खरगे भी इसका एक कारण हो सकते हैं। पार्टी को लगता है कि वह अपने पुराने परंपरागत वोट बैंक को साथ लाकर दिल्ली की राजनीति में मजबूत वापसी करने में सफल हो सकती है।

2024 में सब पर हारेगी भाजपा: लालू

कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय (सदाकत आश्रम) में गुरुवार (26 अक्टूबर) को डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 136वीं जयंती मनाई गई। इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी पहुंचे थे। वर्षों बाद यह पहला मौका था जब लालू यादव कांग्रेस कार्यालय पहुंचे, उन्होंने श्री बाबू को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर लालू प्रसाद यादव ने कहा कि आज देश संकट से गुजर रहा है। देश में सांप्रदायिक ताकतें आंख फाड़ के खड़ी हैं, संविधान के ऊपर संकट पैदा कर रहे हैं, इसलिए हमलोग विभिन्न दलों में बंटे हुए लोग इकट्ठा हुए और इंडिया गठबंधन बना। पटना की एतिहासिक जगह से बैठक कर कर्नाटक से लेकर मुंबई तक मीटिंग हुई और आज देश के 23 दल हम लोग तैयारी कर रहे हैं। लालू ने कहा कि ये लोग पूछते हैं नेता कौन होगा। नेता हमलोग चुन लेंगे आसानी से उसमें कहीं कठिनाई दिक्कत नहीं होगी। आरजेडी सुप्रीमो ने कहा कि जिन राज्यों में अभी विधानसभा चुनाव होने वाला है वहां हर जगह से सूपड़ा साफ हो जाएगा। ये लोग कहीं नहीं हैं, देश को धोखा देकर आए थे, गलत प्रचार करके आए थे कि देश

का पैसा विदेश में जमा है, वहां से लाएंगे और सबके खाते में 15-15 लाख रुपया देंगे, सबका खाता खुल गया, हम भी खोलवा लिए थे, अब कहते हैं कि वहां खाते में पैसा ही नहीं है, इतना बड़ा धोखा देशवासियों को दिया इसलिए धूल चटा देना है। लालू ने आगे कहा, हमको कोई बता रहा था कि जातीय गणना के बाद पटना लोकसभा सीट को छोड़कर बिहार में इन्हें कहीं सीट नहीं मिल रही है। राहुल गांधी ने भी कहा है कि देश भर में हम आएंगे और जातीय गणना कराएंगे जातीय गणना जरूरी है। इस मौके कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के अलावा कांग्रेस के शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व से मीरा कुमार, प्रमोद तिवारी, तारिक अनवर, बिहार कांग्रेस प्रभारी भक्त चरण दास, अजय कपूर, प्रेम चंद मिश्रा और अन्य नेता भी मौजूद रहे।

दिल्ली में पुराने नेताओं की वापसी करा रही कांग्रेस

कांग्रेस के पूर्व नेताओं-कार्यकर्ताओं को अब अपनी गलती का एहसास हो रहा है। उन्हें लग रहा है कि यदि दिल्ली का विकास करना है, तो उन्हें उसी पार्टी का साथ देना चाहिए जिसके साथ वे वर्षों से जुड़े रहे थे। इस अनुभव के साथ पार्टी के वे पुराने नेता-कार्यकर्ता पार्टी में वापस आ रहे हैं, जिन्होंने दिल्ली में कांग्रेस के कमजोर होने के बाद भाजपा या आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया था। पार्टी के पुराने नेताओं-कार्यकर्ताओं की कांग्रेस में वापसी उस अरविंदर सिंह लवली के कारण हो रही है, जो कभी शीला दीक्षित का बेहद खास हुआ करते थे। बुधवार को भी उन्होंने नई दिल्ली और दिल्ली कैंट इलाके के सैकड़ों पुराने कार्यकर्ताओं की पार्टी में वापसी कराई। इसमें कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके संदीप सिंह भी शामिल हैं, तो भाजपा की जिला इकाई की पदाधिकारी भी। यह काम केवल पूर्वी दिल्ली या दिल्ली कैंट इलाके में ही नहीं हो रहा है। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से नेताओं-कार्यकर्ताओं को वापस लाने की कोशिश हो रही है। इसमें पंजाबी, बनिया, दलित और मुस्लिम नेता-कार्यकर्ता सभी शामिल हैं। ये वर्ग कांग्रेस के परंपरागत वोटर हुआ करते थे। आम आदमी पार्टी के मजबूत होने के बाद ये वोटर उसकी ओर चले गए, जिससे कांग्रेस कमजोर होती चली गई। लेकिन अरविंदर सिंह लवली पार्टी नेताओं के बीच एक नई उम्मीद बनकर उभरे हैं और उनके कारण पार्टी को मजबूती मिलती दिख रही है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया इंचार्ज जितेंद्र कोचर ने कहा कि चुनाव के समय नेताओं-कार्यकर्ताओं का किसी एक पार्टी को छोड़कर दूसरी पार्टी में जाना सामान्य बात है।

भाजपा कांग्रेस के नेताओं को डरा नहीं सकती : पायलट

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राजस्थान में छापेमारी की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया जताते हुए बृहस्तिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस तरह के हथकंडों से कांग्रेस के नेताओं को डरा नहीं सकती। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य कांग्रेस के सभी नेता और कार्यकर्ता एकजुटता से साथ खड़े हैं। ईडी ने कथित परीक्षा पत्र लीक मामले में धन शोधन जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और महुआ विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार ओमप्रकाश हुड़ला के परिसरों पर छापे मारे। राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जी के यहां ईडी की रेड की मैं कठोर शब्दों में निंदा करता हूँ। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी के पुत्र वैभव गहलोत को भी ईडी का सम्मन दिया गया है। सचिन पायलट ने एक्स पर लिखा,''राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के यहां ईडी की छापेमारी की मैं कठोर शब्दों में निंदा करता हूँ, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को भी ईडी का समन दिया गया है, उन्होंने आगे लिखा कि इस प्रकार की कार्रवाई से भाजपा की घबराहट साफ़ दिखाई देती है, क्योंकि जनता आगामी चुनावों में राजस्थान में फिर कांग्रेस की सरकार लाने का मन बना चुकी है। वहीं ईडी की कार्रवाई के बाद डोटासरा ने एक्स पर लिखा,''सत्यमेव जयते।

केंद्रीय जांच एजेंसियों फैला रही आतंक, बिना नोटिस छापे : गहलोत

राजस्थान में कांग्रेस नेता के कई ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई पर सीएम अशोक गहलोत हमलावर हैं। उन्होंने कहा कि ईडी देशभर में आतंक मचा रहा है, गोविंद डोटासरा के यहां भी ईडी ने रेड की है, क्योंकि वह बीजेपी के खिलाफ जनता के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। अशोक गहलोत

ने कहा कि न डोटासरा पर और न ही वैभव गहलोत पर कोई केस है, उन्होंने कहा कि अगर वैभव गहलोत के होटल हैं, तो मुझे भी तो पता चले, सीएम ने कहा कि कांग्रेस में आते ही ईडी ने हुल्ला को भी तंग करना शुरू कर दिया। अब वैभव गहलोत को भी ईडी के नोटिस का जवाब देंगे। सीएम गहलोत ने कहा कि ईडी की तलाशी सिर्फ खबरों में लाने के लिए होती है, चुनाव बाद ये सब नजर भी नहीं आएंगे, बीजेपी वाले कांग्रेस की गारंटी से घबरा गए हैं, इसीलिए ईडी को भेजा जा रहा है। ईडी ने राजस्थान के पूर्व शिक्षा मंत्री और कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा से जुड़े कई ठिकानों पर आज छापेमारी की। कांग्रेस विधायक ओम प्रकाश हुडला से जुड़े परिसरों पर भी रेड की जानकारी सामने आई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

ज़िद... सच की

कहां हैं राष्ट्रपति नेतन्याहू के बेटे यायर !

> इज़राइल के शहरों पर हुए हमलों में लगभग 1,400 लोग मारे गए हैं जबकि तेल अवीव की जवाबी कार्रवाई में गाजा में 5,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। ऐसी चर्चा है कि यायर नेतन्याहू इस साल की शुरुआत में फ्लोरिडा चले गए। समुद्र तट पर उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई क्योंकि कई लोगों ने दावा किया कि वह मियामी में आनंद ले रहे हैं जबकि इजरायली हमास के खिलाफ युद्ध में शामिल होने के लिए घर लौट रहे हैं।

इसराइल व हमास के बीच युद्ध होते लगभग एक महीने हो चुके हैं। पर अब तक लड़ाई के खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इजरायल लगातार गाजा में हमले कर रहा है। कुछ ऐसी जगहों पर भी इसराइल ने हमले किए है जो युद्ध के नियमों के विरुद्ध है। इन हमलों की वजह से इसराइली राष्ट्रपति आलोचना के शिकार बन रहे हैं। सबसे बड़ी अचरज की बात तो ये है जब पूरी दुनिया से इसराइली अपने देश में युद्ध लड़ने के लिए पहुंच रह है राष्ट्रपति के पुत्र बेटे यायर की देश से अनुपस्थिति लोगों के अंदर शक पैदा कर रही है। जब लगभग 4 लाख युवा इजरायली 7 अक्टूबर के हमलों के मद्देनजर लड़ाई में शामिल हो गए हैं। इज़राइल के शहरों पर हुए हमलों में लगभग 1,400 लोग मारे गए हैं जबकि तेल अवीव की जवाबी कार्रवाई में गाजा में 5,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। ऐसी चर्चा है कि यायर नेतन्याहू इस साल की शुरुआत में फ्लोरिडा चले गए। समुद्र तट पर उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई क्योंकि कई लोगों ने दावा किया कि वह मियामी में आनंद ले रहे हैं जबकि इजरायली हमास के खिलाफ युद्ध में शामिल होने के लिए घर लौट रहे हैं।

इज़राइल के उत्तरी मोर्चे पर तैनात स्वयंसेवकों में से एक ने बताया, यायर मियामी बीच पर अपने जीवन का आनंद ले रहा है यह हम ही हैं जो अपने परिवार और देश की रक्षा के लिए अपना काम, अपना परिवार, अपने बच्चे छोड़ रहे हैं, न कि वे लोग जो इस स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। सीमा पर सेवारत एक अन्य सैनिक ने कहा, मैं उन राज्यों से वापस आ गया हूं जहां मेरी नौकरी है, जीवन है, मेरा परिवार है। इस महत्वपूर्ण समय में मेरे पास वहां रहने और अपने देश, अपने लोगों को छोड़ने का कोई रास्ता नहीं है। प्रधानमंत्री का बेटा कहां है? वह इजराइल में क्यों नहीं है? यह हमारे हालिया इतिहास में इजरायलियों के रूप में हमारे लिए सबसे एकजुट क्षण है और हममें से हर एक को अभी यहां होना चाहिए, जिसमें प्रधान मंत्री का बेटा भी शामिल है। यायर नेतन्याहू पेशे से एक पॉडकास्टर हैं। अपने पिता के कट्टर रक्षक, याइर अक्सर अपने इस्लाम विरोधी सोशल मीडिया पोस्ट से विवादों में घिरे रहते हैं। 2018 में, उनके फेसबुक अकाउंट को 24 घंटे के लिए ब्लॉक कर दिया गया था क्योंकि उन्होंने पोस्ट किया था कि सभी मुस्लिमों के चले जाने तक इज़राइल में कोई शांति नहीं होगी। इससे पहले वह तब विवादों में आ गए थे जब उन्हें एक स्ट्रिप क्लब के बाहर एक वीडियो में देखा गया था जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना गया था कि कैसे उनके पिता ने कथित तौर पर एक बिजनेस टाइकून के लाभ के लिए 20 अरब डॉलर का गैस सौदा किया था।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कई कथाएं मगर मकसद अच्छाई की जीत

शंभूनाथ शुक्ल

भारत भौगोलिक रूप से उष्ण कटिबंधीय इलाका है और खरीफ तथा रबी की फसलें ही यहां की मुख्य उपज हैं। इसलिए दोनों ही फसलों की उपज जब घर पर आती है तो किसान अपनी संपदा देखकर गदगद हो जाता है और उसी उपज को बाजार में लाने और खरीदारी का उत्सव है यह नवरात्रि। चाहे वह शारदीय नवरात्रि हो या वसंत की। शारदीय नवरात्रि के अगले रोज श्रीराम के पूजक इस उत्सव को श्रीराम की रावण पर विजय के उपलक्ष्य में मनाते हैं तो देवी के भक्त महिषासुरमर्दिनी के रूप में। चूंकि भारत का अधिकांश इलाका धान की उपज लेता है और धान क्वार मास में ही घर पर आता है। इसलिए शारदीय नवरात्रि को खूब जोर-शोर से मनाने की परंपरा है। अंग्रेजों के समय में भी इस नवरात्रि को मनाने की परंपरा रही।

अंग्रेजों ने ईस्ट इंडिया कंपनी के दिनों से ही अपना मुख्यालय कलकत्ता को बनाया था और वहां पर शारदीय नवरात्रि को मनाने की परंपरा थी। सुल्तानी काल से ही बंगाल सूबे में शारदीय नवरात्रि को किसान उत्सव के रूप में मनाया जाता रहा है। इसलिए बंगाल के पूरे इलाके में जिसमें बिहार का भी एक बड़ा इलाका शामिल है, शारदीय नवरात्रि को ही जोर-शोर से मनाया जाता है। नवरात्रि के अगले रोज दशमी के दिन देवी दुर्गा की प्रतिमाएं खूब ढोल-ताशे के साथ विसर्जित की जाती हैं, इसलिए वहां पर दशहरा यानी देवी का विसर्जन रहा। मजे की बात है कि बिहार का वह हिस्सा जो अवध सल्तनत के अधीन था, में दशहरे के दिन रावण फूंका जाता है क्योंकि अवध के इलाके में देवी का महत्व उतना नहीं रहा जितना कि राम परंपरा को मानने वालों का। इसलिए देवी वहां श्रीराम की आराध्य शक्ति कुल देवी ही रहीं। यूं भी भारतीय जनमानस के मन की बात जान पाना आसान नहीं है। जैसे इस लेखक को आज तक यह नहीं पता चल सका कि शारदीय नवरात्रि की समाप्ति के अगले रोज श्रीराम की लंका विजय का उत्सव क्यों मनाया जाता है। दशहरा के नाम से विख्यात इस त्योहार को मनाने के पीछे तर्क क्या है।

क्या इसी दिन श्रीराम रावण को मार कर अयोध्या वापस लौटे अथवा आज के ही रोज लंका का राजा रावण मारा गया। अगर ऐसा है तो पूरे भारतवर्ष में दशहरे का स्वरूप यही क्यों नहीं है? पूरे देश में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध दशहरा मैसूर का होता है और वहां इसके मनाने

के पीछे यह तर्क तो नहीं होते और न ही उत्तर भारत के हिमाचल राज्य में कुल्लू दशहरा इसी बात के लिए जाना जाता है। यूं भी श्रीराम ने रावण पर विजय इस दिन तो नहीं ही पाई होगी। लंका बंगाल की खाड़ी का एक द्वीप है और वहां पर श्रीराम क्या मानसून में पहुंचे? यह संभव नहीं है और न ही भरी बरसात में युद्ध का कोई औचित्य है। खासकर तब और भी जब श्रीराम पैदल युद्ध कर रहे थे और रावण रथ पर सवार होकर। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा भी है- रावण रथी विरथ रघुबीरा। जाहिर है दशहरा या विजयादशमी मनाने के पीछे वह तर्क तो नहीं ही है जैसा प्रचारित किया जाता है। लगता है कि दशहरा को रावण विजय का प्रतीक उत्तर और दक्षिण के संगम काल के बाद आया। भारतीय मिथकों को इतिहास का स्रोत न मानने और इन्हें महाकाव्य मानकर गल्प बताने से ये तमाम विचित्रताएं पैदा हुईं। इन पर गौर करना चाहिए। दुनियाभर के विचारकों ने अपने यहां की मिथकों से कुछ पाने की कोशिश की है पर भारत में मिथकों को धार्मिक कर्मकांड बताकर सरलीकरण कर दिया गया है। इसके विपरीत शाक्त मत के अनुयायी और देवी-भक्त इसे देवी दुर्गा की महिषासुर पर जीत का उत्सव बताते हैं। उनके मुताबिक सुर-असुर संग्राम में महिषासुर को मारने के लिए दस हाथों वाली कन्या ही देवी दुर्गा हैं और उन्होंने महिषासुर को पराजित किया। उनकी जीत की खुशी में यह पर्व मनाया जाता है। लेकिन यहां एक और बात है कि अगर ऐसा है तो इसे नवरात्रि में ही मनाया जाना चाहिए इसके लिए अगले रोज का इंतजार क्यों किया जाता है। इसके मनाने के पीछे एक और मत है कि विजयादशमी के दिन ही पांडवों ने शस्त्र पूजा की थी। वे दुर्योधन की शर्त के कारण बारह वर्ष के वनवास पर रहे और एक साल अज्ञातवास पर।

इस अज्ञातवास की अवधि में उन्होंने अपने शस्त्र विराटनगर के आसपास एक शमी के वृक्ष के तने में छुपा दिए थे। पर जब विराट पर आक्रमण हुआ तो विराट के युवराज को लेकर स्वयं बृहन्नला बने अर्जुन रथ चलाते हुए उसी शमी वृक्ष के नीचे आए और अपने गांडीव तथा अन्य हथियारों को निकाल कर पूजा की। इसके बाद पांचों पांडु पुत्रों ने विराटनगर पर हमला करने वाले आक्रमणकारियों को मार भगाया। और इसी जीत के उपलक्ष्य में विजयादशमी पर्व मनाया जाता है और शस्त्र-पूजा होती है। कुल मिलाकर दशहरा मनाया तो हर जगह जाता है पर उसके मनाने का मंतव्य अलग-अलग होता है।

अब गगनयान से उम्मीदें आसमान पर टेस्ट अबॉर्ट मिशन-1

अभिषेक कुमार सिंह

धरती से ऊपर के आकाश को देखने के कई नजरिए हो सकते हैं। एक आम इंसान भी बड़े लक्ष्यों और उम्मीदों के फलीभूत होने की प्रार्थना के साथ आकाश की ओर देखता है। लेकिन भारत और उसके अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो के लिए यह आसमान या अंतरिक्ष ऐसी जगह में तब्दील हो गया है जो देश को विकास और अनुसंधान की तमाम प्रेरणाएं देने के साथ-साथ पूरे विश्व की उस पांत में शामिल कराने का जरिया बन गया है, जहां पहुंचने का सपना आज कई मुल्क देख रहे हैं और जहां पहुंचे बिना कोई विकास अब अधूरा लगता है। हाल ही में इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने के इसरो के अभियान गगनयान की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में टेस्ट अबॉर्ट मिशन-1 का सफल प्रक्षेपण हुआ। इससे यह उम्मीद बंधी कि यहां से भारत जिस जगह पहुंचेगा, वहां अभी अमेरिका, रूस और चीन के अलावा दुनिया का कोई और मुल्क मौजूद नहीं होगा।

असल में, गगनयान मिशन इसरो की वह महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत भारत का उद्देश्य इंसान को अंतरिक्ष में पहुंचाना है। हालांकि हाल में ही चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर की सफल लैंडिंग के जरिये भारत ने वह मोर्चा फतह कर लिया है, जिसे पाने में दुनिया की महाशक्तियां तक नाकाम रही हैं। साथ ही, मंगल और सूर्य को लेकर इसरो के अभियानों ने यह भरोसा पैदा किया है कि अब कोई अंतरिक्षीय उपलब्धि इतनी बड़ी नहीं है जिसे भारत की पहुंच के दायरे से बाहर मानी जाए। लेकिन अंतरिक्ष में इंसानों को पहुंचाना और वहां से सकुशल पृथ्वी पर वापस लाने का काम आज भी बहुत चुनौतीपूर्ण है। कई चरणों वाले गगनयान मिशन की अगली कड़ियों के तहत अगले साल मानवरहित या कहें कि अनमैन्ड मिशन भेजा जाएगा। यानी इसमें किसी भी मानव को स्पेस में नहीं भेजा जाएगा। अनमैन्ड मिशन के सफल होने के बाद मैन्ड मिशन होगा, जिसमें इंसान अंतरिक्ष में जाएंगे। भारत से पहले यह उपलब्धि सोवियत संघ (रूस), अमेरिका और चीन हासिल कर चुके हैं। पहले 12 अप्रैल, 1961 को सोवियत रूस के यूरी गागरिन 108 मिनट तक अंतरिक्ष में रहे थे।

इसके कुछ ही दिनों बाद 5 मई, 1961 को अमेरिका के एलन शेफर्ड अंतरिक्ष में पहुंचे और 15 मिनट तक वहां रहे। सबसे अंत में चीन के यांग लिवेड 15 अक्टूबर, 2003 को अंतरिक्ष में पहुंचे थे और उन्होंने वहां 21 घंटे का समय बिताया था। भारत का गगनयान इसी दिशा में बढ़ता एक अभियान है जो अंतरिक्ष पर्यटन से लेकर भावी सुदूर अंतरिक्ष यात्राओं का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। इस अभियान में अभी की बढ़त यह कि गगनयान के क्रू एस्केप सिस्टम की पहली दो कड़ियों का परीक्षण सफलता के साथ हो गया है और इससे हमारा वैज्ञानिक जगत आश्वस्त कर सकता है कि मंगल और चंद्रमा के अभियानों की तरह ही गगनयान इसरो व भारत की शान में चार चांद लगाने वाला साबित होगा। खास तौर पर गगनयान अंतरिक्ष पर्यटन की भारतीय कोशिशों को एक नया आधार दे सकता है। भूलें नहीं कि चंद्रयान-3 की सफलता पर प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष पर्यटन संबंधी एक नया नारा दिया था। उन्होंने विक्रम लैंडर के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पदार्पण पर कहा था- चंदा मामा टूर के।

इसका आशय यह लगाया जा सकता है कि आगे चलकर इसरो अंतरिक्ष पर्यटन की योजनाओं को अमल में ला सकता है। हालांकि यह बहुत संभव है कि इसमें निजी कंपनियों की मदद ली जाए क्योंकि ऐसी योजनाओं का उद्देश्य अनुसंधान को आगे बढ़ाने से ज्यादा कमाई करना होता है। उल्लेखनीय है कि अभी दुनिया में अमेरिका की दो निजी स्पेस कंपनियां- वर्जिन गैलेक्टिक और ब्लू ऑरिजिन ही ऐसे अभियानों को अमल में लाने का प्रयास करते दिखाई दे रही हैं। वर्ष 2021 में वर्जिन गैलेक्टिक नामक स्पेस कंपनी के मालिक रिचर्ड ब्रैन्सन अपने पांच कर्मचारियों के साथ अंतरिक्ष की उपकक्षीय (सब-ऑर्बिटल) उड़ान आयोजित करने में सफल रहे थे। इसी तरह उसी वर्ष 2021 में ईकॉमर्स कंपनी- अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोफ ने भी अपनी स्पेस कंपनी ब्लू ऑरिजिन के न्यू शेपर्ड यान से अंतरिक्ष की उड़ान भरी थी। ब्रैन्सन और बेजोस की कंपनियों की पहलकदमियां नई जरूर हैं, पर अंतरिक्ष की सैर और उसमें निजी कंपनियों की भागीदारी की पहल अरसे से की जा रही है। तीन साल पहले 30 मई, 2020 एक निजी उड़ान की मदद से दो अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचे थे।

इस उपलब्धि के साथ अमेरिका, कनाडा और दक्षिण अफ्रीका की एक साथ नागरिकता रखने वाले अरबपति एलन मस्क की कंपनी- स्पेसएक्स दुनिया की पहली ऐसी प्राइवेट कंपनी बन गई थी, जो अपने रॉकेट से दो अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस तक सफलतापूर्वक ले गई थी। वहीं 30 मई, 2020 की रात स्पेस एक्स का ताकतवर रॉकेट फॉल्कन-9 स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल लेकर कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ा था जिसने 19 घंटे की यात्रा के बाद उसने कैप्सूल को आईएसएस से जोड़ दिया। इस कैप्सूल में रॉबर्ट बेनकेन और डगलस हर्ले नामक दो अंतरिक्ष यात्री थे, जिन्हें एक विशुद्ध निजी उड़ान से अंतरिक्ष में पहुंचने का गौरव मिला। हालांकि यह अभियान आईएसएस से जुड़ा था, लेकिन इससे उम्मीद जगी थी कि जल्दी ही दुनिया के और भी कई लोग अंतरिक्ष पर्यटन का अपना सपना पूरी कर सकेंगे। निःसंदेह, गगनयान परियोजना के जरिये इसरो अंतरिक्ष पर्यटन में महारत हासिल करने के साथ-साथ अनुसंधान और भावी अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए कमाई के स्रोत भी पैदा कर सकेगा।

नींद पूरी करें

रात में नींद पूरी न करने से शरीर के साथ ही मानसिक रूप से भी थकान आ जाती है। यह थकान तनाव का कारण भी बनती है। शारीरिक और मानसिक रूप से थके व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता ठीक से कार्य नहीं करती और रोग अटैक कर सकता है। ऐसे में पूरी नींद लें ताकि इम्यून सिस्टम मजबूत हो सके। रात में सम्पूर्ण और गहरी नींद लेने वाले व्यक्ति अनिद्रा से ग्रस्त लोगों की तुलना में ज्यादा स्वस्थ होते हैं। नींद हमारी धमनियों को प्रभावित करती है। पर्याप्त नींद न लेने से ब्लड प्रेशर, तथा हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या होने की अधिक आशंका रहती है और इससे हृदय पर भी बूरा असर पड़ता है। एक वयस्क व्यक्ति के लिए 6-8 घण्टे की नींद लेना आवश्यक है। अच्छी नींद न आने से तनाव बढ़ता है तथा उच्च रक्तचाप की समस्या हो सकती है। उच्च रक्तचाप दिल के रोगों को जन्म देता है जबकि गहरी नींद व्यक्ति को इन सब से दूर रखती है।

योग और ध्यान

तनाव व थकान को कम करने के साथ ही इम्यूनिटी को बेहतर बनाने के लिए योग व ध्यान को अपनी जीवनशैली में शामिल करें। नियमित योगासनों का अभ्यास शारीरिक और मानसिक सक्रियता को बढ़ाता है और थकान कम करता है, जिससे तनाव कम होता है और इम्यूनिटी मजबूत बनती है। योग के अभ्यास की कला व्यक्ति के मन, शरीर और आत्मा को नियंत्रित करने में मदद करती हैं। यह भौतिक और मानसिक संतुलन कर के शान्त शरीर और मन प्राप्त करवाता हैं। तनाव और चिंता का प्रबंधन करके आपको राहत देता हैं। यह शरीर में लचीलापन, मांसपेशियों को मजबूत करने और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में भी मदद करता हैं। यह श्वसन, ऊर्जा और जीवन शक्ति में सुधार लाता हैं। योग का अभ्यास करने से ऐसा लगता हैं कि जैसे यह मात्र शरीर को खींचने या तानने तक ही सीमित हैं, लेकिन आप जैसा देखते हैं, महसूस और गतिविधि करते हैं, उससे कहीं अधिक यह आपके शरीर को करने में सक्षम करता हैं।

सर्दी के मौसम में इस तरह बढ़ाएं इम्यूनिटी

रहेंगे खांसी-जुकाम और सिरदर्द से दूर

अक्तूबर महीने से हल्की हल्की सर्द हवाएं चलना शुरू हो जाती हैं। मौसम में कुछ ठंडक महसूस होने लगती है। गर्मी और मानसून के खत्म होने और ठंड आने के बीच बदलते मौसम के कारण कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ने लगता है। सर्दियों में कफ व जुकाम, फ्लू, खांसी, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा समेत कई संक्रामक रोग हो सकते हैं। ऐसे में इस मौसम में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है। कमजोर इम्यूनिटी वालों को मौसमी बीमारियां पहले परेशान करने लगती हैं। ऐसे में इम्यूनिटी को मजबूत बनाकर सर्दियों में होने वाली बीमारियों से बचने की तैयारी पहले से की जा सकती है। फ्लू, इन्फेक्शन और खांसी व जुकाम से बचने के लिए अपनी इम्यूनिटी को मजबूत करना चाहिए।

व्यायाम भी जरूरी

खानपान के साथ ही कुछ शारीरिक क्रियाशीलता भी शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। सर्दियों में अक्सर लोग फिजिकल एक्टिविटी करना कम कर देते हैं। इस कारण मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। इससे बचने के लिए हर दिन व्यायाम जरूर करना चाहिए। व्यायाम से मेटाबॉलिज्म मेंटेन रहता है और इम्यूनिटी बेहतर बनती है।

सही आहार और पानी

सर्दी में लोग पानी की मात्रा कम कर देते हैं। शरीर को जितने पानी की जरूरत होती है, उतना न मिल पाने के कारण इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बिगड़ जाता है और इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। इस समस्या से बचने के लिए हर दिन पर्याप्त पानी पीएं। पोषण से भरपूर आहार का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत कर सकता है। फल, सब्जियां, दालें, अनाज, प्रोटीन और विटामिन सी व डी से भरपूर पौष्टिक आहार इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाता है। इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए औषधीय गुणों से युक्त आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों का नियमित सेवन करें। जैसे अश्वगंधा, हल्दी, तुलसी की पत्तियां का नियमित सेवन रोगों से लड़ने के लिए शरीर को अंदरूनी मजबूती प्रदान करता है।

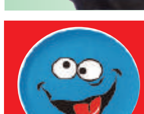

हंसना मना है

हंसी के लिए गम कुर्बान, खुशी के लिए आंसू कुर्बान, दोस्त के लिए जान भी कुर्बान, और, अगर दोस्त की गर्लफ्रेंड मिल जाये तो, साला दोस्त भी कुर्बान।

एक व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्ति- बचाओ गणेश जी बचाओ.. गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्ति- आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जी- तू भी मेरे विसर्जन में बहुत नाचता है।

डॉक्टर- अब क्या हाल है? मरीज- पहले से ज्यादा खराब है। डॉक्टर- दवाई खाली थी क्या? मरीज- नहीं दवाई की शीशी तो भरी हुई थी। डॉक्टर- मेरा मतलब दवाई लेली थी? मरीज- आप ने दी तो मैंने लेली। डॉक्टर- बेवकूफ दवाई पिली थी? मरीज- नहीं दवाई तो लाल थी। डॉक्टर- गधे दवाई को पीलिया था? मरीज- नहीं जी पीलिया तो मुझे था।

पिंकी बहुत तेजी से स्कुटी चला रही थी, और उसने रेड लाइट क्रॉस कर दी.. ट्रैफिक पुलिस- चलो स्कुटी साइड में खड़ी करो, तुम्हारा चालान कटेगा। पिंकी- सर मुझे माफ कर दो ट्रैफिक पुलिस- तुम्हे रेड लाइट नहीं दिखी थी क्या? पिंकी- दिखी तो थी पर आप नहीं दिखे, न जाने कहां छुप कर बैठे थे।

कहानी | महानता के बीज

यूनान देश के एक गांव का लड़का जंगल में लकड़ियां काट के शाम को पास वाले शहर के बाजार मे बेचकर अपना गुजारा करता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसने देखा कि उस बालक का गट्ठर बहुत ही कलात्मक रूप से बंधा हुआ है। उसने उस लड़के से पूछा- क्या यह गट्ठर तुमने बांधा है? लड़के ने जवाब दिया- जी हां, मैं दिनभर लकड़ी काटता हूं, स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को गट्ठर बाजार मे बेचता हूं। उस व्यक्ति ने कहा कि क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दुबारा बांध सकते हो? जी हां, यह देखिए इतना कहते हुए लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुन्दर तरीके से पुनः उसे बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान, लगन और फूर्ती के साथ कर रहा था। लड़के की एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने का तरीका देख उस व्यक्ति ने कहा क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैंतुम्हें शिक्षा दिलाऊंगा और तुम्हारा सारा व्यय वहन करूंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया। वह स्वयं भी उसे पढ़ाता था। थोड़े ही समय में उस बालक ने अपनी लगन तथा कुशाग्र बुद्धि के बल पर उच्च शिक्षा आत्मसात कर ली। बड़ा होने पर यही बालक युनान के महान दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्द हुआ। वह भला आदमी जिसने बालक की भीतर पड़ी महानता के बीज को पहचान कर उसे पल्लवित किया वह था, वह था यूनान का विख्यात तत्त्व ज्ञानी डेमोक्रीट्स।

कहानी सीख- इस कहानी से हम सीख ले सकते हैं कि हमें छोटे-छोटे कार्य भी लगन एवं ईमानदारी से करने चाहियें, उसी में महानता के बीज छिपे होते है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। तत्काल लाभ नहीं होगा। बिगड़े काम बनेंगे।

तुला बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है। वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें।

वृषभ सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा।

वृश्चिक वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। काम में मन नहीं लगेगा।

मिथुन आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

कर्क वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा।

मकर व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें।

सिंह आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा।

कुम्भ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी।

कन्या दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। लेन-देन में सावधानी रखें। लाभ होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे।

मीन रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने केवल पैसे के लिए फिल्में की हैं : मनोज

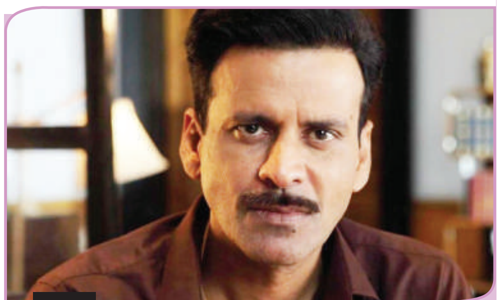

मनोज बाजपेयी 25 साल पहले राम गोपाल वर्मा की फिल्म सत्या में भीकू म्हात्रे का किरदार निभाने के बाद सुर्खियों में आए थे। इसके बाद वह धीरे धीरे बॉलीवुड में अपने कदम जमाते गए। द फैमिली मैन के बाद से उनकी लोकप्रियता में खूब इजाफा हुआ, जिसकी बदौलत आज वह इंडस्ट्री के प्रतिभाशाली अभिनेताओं में गिने जाते हैं। अब हाल ही में दिए इंटरव्यू में मनोज ने अपने फिल्मी करियर के बारे में बात करते हुए कहा कि लोकप्रियता के बावजूद नहीं मुंबई शहर में रहने के लिए अपनी अपनी संतुष्टि के साथ समझौता करना पड़ा। उन्हें ऐसी भूमिकाएं निभानी पड़ी, जिससे उन्हें कला की संतुष्टि नहीं, बल्कि केवल पैसा मिला। दरअसल, मनोज बाजपेयी ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में केवल पैसे के लिए भी फिल्में की हैं। उन्होंने अपने खाली समय में ऐसा किया। उन्होंने कहा कि एक अभिनेता को इस तरह के ऑफर लेने पर अफसोस नहीं करना चाहिए, अगर इससे उनके अस्तित्व में मदद मिलती है। मैं हमेशा कहता हूं कि अभिनेताओं को ऐसा नहीं करना चाहिए, अगर वे पैसे के लिए, रसोई चलाने के लिए कुछ करते हैं तो उन्हें पछतावा नहीं होना चाहिए। मनोज ने कहा कि इसे कुछ कदम पीछे हटने के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन इसे बेहतर भविष्य की ओर छलांग लगाने के लिए तैयार होने के रूप में देखा जा सकता है। उन्हें ऐसी फिल्म करनी चाहिए, जिसमें उन्हें लगे कि वे सिर्फ छलांग लगाने के लिए कुछ कदम पीछे हट रहे हैं। मुझे इस शहर में जीवित रहने के लिए पैसे की जरूरत थी, जो ठीक है। मुझे इसका कभी अफसोस नहीं हुआ। मेरे पास आज भी वे फिल्में बहुत गर्व के साथ हैं। इससे पहले मनोज बाजपेयी ने बताया था कि उनकी पत्नी शबाना रजा ने उनसे कहा था कि वह पैसे के लिए फिल्में करना बंद करें, क्योंकि उन्होंने मनोज की खराब फिल्मों में से एक को देखने के बाद अपमानित महसूस किया था। उन्होंने कहा था कि वह एक खराब फिल्म थी। फिल्म के बाद उन्होंने मुझे फोन किया और मैंने पूछा कि उन्हें फिल्म कैसी लगी तो शबाना कहा, पैसे के लिए फिल्में करना बंद करो।

जवान की सफलता के बाद नयनतारा ने बढ़ाई फीस

भोजपुरी | मसाला

कमल हासन की आगामी फिल्म केएच 234 इस समय लगातार सुर्खियां बटोर रही है। लंबे समय के बाद वह इस फिल्म में मणिरत्नम के साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। बताया जा रहा है कि इसकी कास्टिंग लगभग पूरी होने के करीब है। साथ ही, यह बात भी सामने आई है कि लेडी सुपरस्टार नयनतारा के साथ फिलहाल अंतिम दौर की बातचीत चल रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर सौदा पक्का हो जाता है तो अभिनेत्री को इसके लिए पारिश्रमिक के रूप में 12 करोड़ रुपये मिलने की संभावना है। बता दें कि नयनतारा दो दशकों से अधिक समय से दक्षिणी भारतीय सिनेमा में लीडिंग लेडी के रूप में काम कर रही हैं। आखिरी बार उन्होंने जवान और इराइवन के लिए अपनी फीस में इजाफा किया था।

रिपोर्ट्स की मानें तो पहले यह रोल सामंथा, साई पल्लवी और तृषा कृष्णन में से किसी के पास जाता दिख रहा था, लेकिन अब यह फिल्म नयनतारा की झोली में जाती दिख रही है। अभिनेत्री को उनकी 2022 की फिल्म कनेक्ट के लिए आठ करोड़ मिल मिले थे। जवान को साइन करने पर नयनतारा ने दक्षिण में सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्री बनकर इतिहास रच दिया। शाहरुख खान स्टारर जवान की सफलता के बाद नयनतारा की लोकप्रियता में गजब का इजाफा देखने को मिला है। उनके अन्य प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही योगी बाबू के साथ मन्नानगट्टी सिंस 1960 में दिखाई देंगी। फिल्म में आर. माधवन, सिद्धार्थ और मीरा जैस्मीन भी हैं।

जल्द ही कस्टम ऑफिसर बनेंगे नवाजुद्दीन

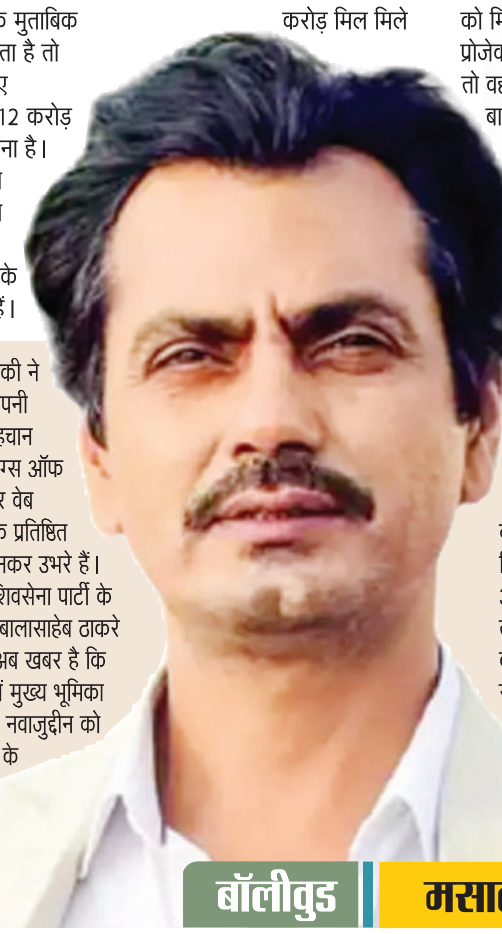

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। सेक्रेड गेम्स, गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्मों और वेब सीरीज से वह बॉलीवुड के प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक बनकर उभरे हैं। उन्होंने ठाकरे फिल्म में शिवसेना पार्टी के संस्थापक और राजनेता बालासाहेब ठाकरे की भूमिका निभाई थी। अब खबर है कि वह एक और बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। नवाजुद्दीन को दिवंगत वास्तविक जीवन के सीमा शुल्क अधिकारी कोस्टाओ फर्नांडीज की भूमिका निभाने के लिए साइन किया गया है।

कोस्टाओ फर्नांडीज ने 1990 के दशक में गोवा में सोने की तस्करी के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, अब उनकी बायोपिक में नवाजुद्दीन तस्करों के खिलाफ लड़ते नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि फिल्म का निर्देशन सेजल शाह करेंगे, जिन्होंने नवाजुद्दीन की पिछली फिल्म सीरियस मेन का निर्माण किया था, यह फिल्म मनु जोसेफ के उपन्यास पर आधारित थी। वहीं अब उम्मीद है कि फिल्म की शूटिंग जल्द ही गोवा में शुरू होगी और इसमें कोस्टाओ फर्नांडीज के जीवन में सामने आई रोमांचक और नाटकीय घटनाओं को दिखाया जाएगा।

आधिकारिक सरकारी वेबसाइट सीमा शुल्क अधिकारी फर्नांडीज को दुर्लभ नायक के रूप में वर्णित करती है। कोस्टाओ फर्नांडीज विभाग के दुर्लभ नायकों में से एक हैं, जिन्हें कई जीवन-जोखिम वाली घटनाओं और अपराधियों और तस्करों के साथ मुठभेड़ों के लिए याद किया जाता है। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर तस्करी के कई प्रयासों को रोका।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब

यहां नहीं रहता एक भी सरकारी कर्मचारी

एक ऐसा रेलवे स्टेशन जिसे खुद चलाते हैं ग्रामीण

भारत के लिए रेलवे उसकी रीढ़ की हड्डी जैसा है। देश के एक इलाके से दूसरे इलाके तक आसान और किफायती तरीके से पहुंचने में रेलवे बहुत मददगार साबित होता है। कई ऐसे अनोखे रेलवे स्टेशन हैं जिनके बारे में कई चीजें काफी अलग और अजीबोगरीब हैं। ऐसा ही एक अनोखा रेलवे स्टेशन राजस्थान में है। इस स्टेशन को सिर्फ गांव के लोग ही चलाते हैं। वही इसकी देखरेख करते हैं। हैरानी इस बात की है कि इस स्टेशन पर एक भी रेलवे का कर्मचारी नहीं है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर कुछ वक्त पहले एक सवाल पूछा गया- भारत का वो कौन सा रेलवे स्टेशन है जिसे गांव वाले मिलकर चलाते है? जवाब कई लोगों को शायद नहीं पता होगा। तो चलिए आपको फटाफट बता देते हैं कि लोगों ने इसके बारे में क्या उत्तर दिया। आजम अली नाम के एक शख्स ने कहा-राजस्थान के जालसू नानक रेलवे स्टेशन एक ऐसा रेलवे स्टेशन है जिसको खुद ग्रामीण चलाते हैं। इस रेलवे स्टेशन की शर्त ये है कि इसे महीने में 1500 टिकट बेचना जरूरी क्योंकि ये रेलवे की शर्त है। राजस्थान में नागौर का जालसू नानक रेलवे स्टेशन, देश का पहला रेलवे स्टेशन है, जहां कोई रेलवे अधिकारी या कर्मचारी नहीं है। फिर भी यहां 10 से ज्यादा ट्रेनें रुकती हैं।

ऊपर दिया गया जवाब पूरी तरह सही है। जालसू नानक हॉल्ट रेलवे स्टेशन राजस्थान के नागौर जिले से करीब 80 किलोमीटर दूर है। यही देश का सबसे अनोखा स्टेशन है जिसे रेलवे कर्मी नहीं, बल्कि गांव वाले चलाते हैं। यहां पर गांव वाले टिकट बेचते हैं, स्टेशन की देखरेख करते हैं, और हर तरह का काम देखते हैं। साल 2022 की द न्यू इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार इन ग्रामीणों ने ऐसा 17 सालों तक किया है, पर अब वो रेलवे को स्टेशन का कार्यभार लौटाना चाहते हैं। आपको बता दें कि जालसू नानक हॉल्ट रेलवे स्टेशन की शुरुआत 1976 में हुई थी जिससे सिपाहियों के मूवमेंट और उनके परिवार को सहूलियत मिल सके। रेलवे स्टेशन के पास मौजूद 3 गांव थे, जहां अधिकतर लोग सेना में थे। साल 2005 में रेलवे ने इस स्टेशन को बंद कर दिया था। इस वजह से गांव वालों ने विद्रोह करना शुरू कर दिया। रेलवे ने एक कंडीशन रख दी। उन्होंने कहा कि गांव वाले रेलवे स्टेशन को मैनेज कर सकते हैं, पर उन्हें 1500 टिकट हर महीने बेचने पड़ेंगे। गांवा वालों ने इस वजह से स्टेशन को चलाया जिससे देश की सुरक्षा में लगे जवानों को किसी तरह की समस्या न पैदा हो। तब से इसका संचालन वो लोग कर रहे है।

भारत में मौजूद है मिनी इजरायल हर साल यहां घूमने आते हैं यहूदी

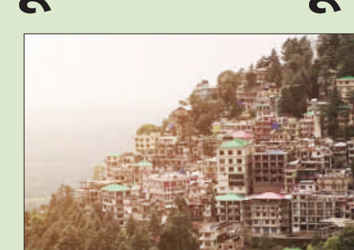

इन दिनों इजरायल काफी चर्चा में है। भारत से अच्छे संबंध होने की वजह से काफी इजरायली भारत आते रहते हैं। इजरायल से जुड़ी काफी अनोखी बातें हैं, पर शायद आप ये नहीं जानते होंगे कि भारत में भी एक मिनी इजरायल है। इस जगह पर यहूदी लोग बड़ी संख्या में आते हैं और यहां आकर पूजा भी करते हैं। क्या आप इस जगह के बारे में जानते हैं? अगर नहीं, तो चलिए हम आपको बताते हैं कि ये जगह कहां है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार मिनी इजरायल कही जाने वाली ये भारतीय जगह हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में है। यहां एक गांव है, जिसका नाम है धर्मकोट। इस जगह पर हर साल काफी इजरायली आते हैं। यहां पर एक खबाद हाउस है जो एक यहूदी कम्यूनिटी सेंटर है। यहां पर कई ऐसे रेस्टोरेंट और होटल हैं जो इजरायली खाना ही सर्व करते हैं। इस वजह से यहां आने वाले यहूदियों को ये जगह अपने घर जैसी ही लगती है। रिपोर्ट्स के अनुसार हिमाचल में एक और जगह है, जिसे यहूदियों और इजरायल से जोड़ा जाता है। इस जगह का नाम है कसोल जो एक फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। कसोल को मिनी इजरायल कहते हैं जबकि धर्मकोट को पहाड़ों का तेल अवीव बोलते हैं। आपको बता दें कि धर्मकोट कांगड़ा में है, जबकि कसोल, कुल्लू में है। यहां पर खबाद हाउस को करीब 15 साल पहले बनाया गया था। कुल्लू में इजरायल के करीब 1500 लोग रहते भी हैं। माना जाता है कि इजरायली आर्मी के जवान ट्रेनिंग के बाद यहां आते हैं जिससे उन्हें शरीर और मन से आराम दिख सके। इस गांव में गद्दी चरवाहे समुदाय के लोग रहते हैं। अब इस गांव में कई लोग आसानी से हीब्रू भाषा भी बोल लेते हैं। धर्मशाला के निवासी हर साल सालाना समुदायिक भोज का आयोजन करते हैं जो इजरायली नए साल पर आयोजित किया जाता है। इसे रोश हशनाह कहते हैं। शायद ही आपको इस जगह के बारे में पता होगा।

अंतरराष्ट्रीय कानूनों को कुचला जा रहा है: प्रियंका

बोलीं- गाजा में मासूम बच्चों की हत्या हुई, इंसानियत कब जागेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने गाजा में इजराइल की बमबारी में बच्चों समेत हजारों नागरिकों के मारे जाने पर दुख जताते हुए शुक्रवार को कहा कि हर अंतरराष्ट्रीय कानून कुचला गया है। उन्होंने यह सवाल भी किया कि आखिर इंसानियत कब जागेगी?

प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ''गाजा में 7,000 मनुष्यों की हत्या के बाद भी रक्तपात और हिंसा का दौर थमा नहीं। इन 7,000 लोगों में से 3,000 मासूम बच्चे थे। कोई ऐसा अंतरराष्ट्रीय कानून नहीं, जिसे कुचला न गया हो। कोई ऐसी मर्यादा नहीं, जिसे तार-तार न किया गया हो। कोई ऐसा कायदा नहीं, जिसकी धज्जियां न उड़ी हों। उन्होंने सवाल किया कि इंसानियत कब जागेगी? कितनी जानों के जाने के बाद। कितने बच्चों की बलि के बाद। क्या मनुष्य होने की चेतना बची है? क्या वह कभी थी भी? गाजा पट्टी पर पिछले कई दिनों से इजराइल की ओर से किए जा रहे हवाई हमलों में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। फलस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास के हमले में अपने सैकड़ों नागरिकों के मारे जाने के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी पर हवाई हमले शुरू किए।

प्रियंका को चुनाव आयोग ने थमाया नोटिस राजस्थान में उठाया था लिफाफे का मुद्दा

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंदिर दर्शन यात्रा से संबंधित लिफाफा टिप्पणी को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा को कारण बताओ नोटिस भेजा है। आयोग ने प्रियंका से 30 अक्टूबर की शाम तक नोटिस का जवाब देने को कहा है। भाजपा ने प्रियंका के खिलाफ शिकायत दी थी, जिसके एक दिन बाद आयोग ने उन्हें नोटिस भेजा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को, प्रियंका पर राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान झूठे दावे करने के लिए 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निजी धार्मिक आस्था का उल्लेख करने का आरोप लगाया था और निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया था। भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा है कि वाद्रा ने 20 अक्टूबर को दौसा में एक जनसभा में कहा था कि उन्होंने टीवी पर देखा कि जब प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक मंदिर में दिए गए दान का एक लिफाफा खोला गया तो उसमें केवल 21 रुपये थे। इसके बाद उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक हमला करते हुए कहा कि भाजपा जनता को लिफाफे दिखाती है लेकिन चुनाव के बाद उनमें कुछ नहीं मिलता। भाजपा ने अपनी शिकायत में उनकी टिप्पणी का एक वीडियो भी शामिल किया है।

खरगे ने एक साल में कांग्रेस को दी नई ऊंचाई

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर पार्टी ने कहा कि उनके नेतृत्व में उसने ''महत्वपूर्ण प्रगति की है और उन्होंने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। शीर्ष पद के लिए पार्टी के आंतरिक चुनावों में शशि थरूर को हराने के बाद खरगे पिछले साल अक्टूबर में कांग्रेस अध्यक्ष चुने गए थे। उन्होंने 26 अक्टूबर को आधिकारिक तौर पर कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभाला था। कांग्रेस ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे लोगों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध हैं। खरगे कांग्रेस की विशेषताएं- लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, समावेशी विकास और देशभक्ति के प्रतीक हैं। कांग्रेस ने कहा कि वह इस बात का एक आदर्श उदाहरण हैं कि जुनून और दृढ़ता से क्या हासिल किया जा सकता है। कांग्रेस ने कहा कि ब्लॉक स्तर के नेता से लेकर पार्टी के निर्वाचित अध्यक्ष बनने तक, 55 साल की चुनावी सफलता से भरी उनकी यात्रा लोकतंत्र के प्रति उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

» पार्टी अध्यक्ष के रूप में एक साल पूरा किया

कई नेताओं ने दीं शुभकामनाएं

कांग्रेस के कई नेताओं ने खरगे को अध्यक्ष के रूप में एक वर्ष पूरा होने पर शुभकामनाएं दीं। थरूर ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''खरगे जी को मेरा प्रणाम। वह हमें आगे की चुनावी लड़ाई में मजबूती से जीत दिलाएंगे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा, सुप्रिया श्रीनेत, अभिषेक सिंघवी और मनीष तिवारी सहित अन्य ने खरगे की सराहना की और उन्हें अध्यक्ष के रूप में एक वर्ष पूरा करने पर शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री उद्योग गुजरात ले जाने की ताक में : पटोले

मुंबई। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले का दौरा करने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश की जनता को करोड़ों रुपये की परियोजना की सौगात दी। इस पर कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री महाराष्ट्र के उद्योगों को गुजरात शिफ्ट कराने के लिए महाराष्ट्र का दौरा कर रहे हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हीरा क्षेत्र समेत कुछ उद्योगों को पड़ोसी राज्य गुजरात में स्थानांतरित कराने की ताक में महाराष्ट्र का दौरा कर रहे हैं। नाना पटोले ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार दिल्ली के निर्देश पर महाराष्ट्र को लूट रही है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र से गुजरात में मेगा निवेश परियोजनाओं को स्थानांतरित करने की गतिविधियां पिछले डेढ़ साल से चल रही हैं। सूरत में एक विशाल हीरा उद्योग विकसित किया जा रहा है, जो मुंबई के कारोबार को छीन लेगा। पटोले ने दावा किया कि पीएम मोदी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लंबित कार्यों को भी आगे बढ़ाने और जारी रखने के मकसद से महाराष्ट्र दौरे पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि ये परियोजना महाराष्ट्र पर बोझ है।

फोटो: सुमित कुमार

जीत की तैयारी गुरुवार की शाम 6: 00 बजे टीम इंडिया इकाना स्टेडियम पहुंची, जहां उसने सबसे पहले वार्मअप शुरू किया। मैदान के एक कोने में कुर्सियों को बीच में रखकर दोनों ओर खिलाड़ियों ने टीम बांट ली। एक ओर जहां विराट कोहली के साथ में आर. अश्विन के अलावा बाकी खिलाड़ी थे, वहीं दूसरी टीम में शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी एक दूसरे का मुकाबला फुटबॉल नुमा खेल में कर रहे थे। लगभग 15 मिनट तक यह अभ्यास खिलाड़ियों ने किया।

पुरस्कार पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तारा अरोरा स्मारक समिति ने बांटे सम्मान

लखनऊ। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी तारा अरोरा स्मारक समिति ,लखनऊ की ओर से सृजन- विहार (निकट सहारा शहर) गोमती नगर स्थित समर्थ फ़ाउंडेशन में नि:शुल्क कोचिंग प्राप्त कर रहे एवं वर्ष 2023 में कक्षा 7 से 10 तक (हाई स्कूल बोर्ड) में उच्च अंक प्राप्त करने वाले संसाधनविहीन मेधावी बच्चों, शिवानी गौड़ (कक्षा 10), आँचल शर्मा (कक्षा (9) दिव्या भारती (कक्षा (8) तथा दिव्या साहू (कक्षा (7) को क्रमशः तारा अरोरा सम्मान , श्याम बिहारी अरोरा सम्मान ,सुरेश अरोरा सम्मान एवं सुभाष अरोरा सम्मान से नवाज़ा गया।

सम्मान स्वरूप शिवानी गौड़ को वर्ष 2023 की हाई स्कूल बोर्ड में 78.3 प्रतिशत अंक प्राप्त करने के लिए 2500/-की नकद राशि ,गोल्ड कलर मेडल व प्रशस्ति पत्र एवं अन्य कक्षा 9,8 व 7 में अपने- अपने विद्यालयों की वार्षिक परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने के लिए 1000/- की नकद राशि , सिल्वर कलर मेडल व प्रशस्ति पत्र समिति के अध्यक्ष व सुप्रसिद्ध साहित्यकार राजेश अरोरा शलभ , समिति की प्रबंध निदेशक रंजना अरोरा व समर्थ फ़ाउन्डेशन की प्रबंध निदेशक दिव्या शुक्ला के द्वारा प्रदान किए गए। साथ ही कक्षा 8 की ही 66.8 प्रतिशत प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रही अंशि कश्यप को 500/-धनराशि का नकद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र दिया गया । 50 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली तीन अन्य छात्राओं, लक्ष्मी मिश्रा (कक्षा 8) तथा काजल शर्मा व पुष्पा निषाद (दोनों कक्षा 7) को प्रशस्ति-पत्र दिए गए। साहित्यकार शलभ ने इसके साथ ही हर बच्चे को अपनी हास्य रचनाओं की एक-एक पुस्तक भी भेंट की । इस अवसर पर संसाधन विहीन और ज़रूरतमंद बच्चों के अभिभावकों के लिए वस्त्र भी अरोरा परिवार की ओर से भेंट किए गए ।

विश्वकप: श्रीलंका ने अंग्रेजों की राह में डाले रोड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए वर्ल्ड कप मुकाबले में श्रीलंका ने गत चैंपियन टीम इंग्लैंड को आठ विकेट से हरा दिया है। इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 33.2 ओवर में 156 रन पर आउट हो गई। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने 25.4 ओवर में दो विकेट पर 160 रन बनाकर जीत दर्ज की।

वहीं श्रीलंका की ओर से ओपनर पथुम निसांका ने 77 रन की शानदार पारी खेली। इसके अलावा, सदीरा समरविक्रमा ने 65 रनों की बड़ी पारी खेली। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज डेविड विली ने श्रीलंका के दोनों विकेट झटके। श्रीलंका के कप्तान कुशल मैंडिस 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

वहीं इंग्लैंड की तरफ से बेहद साधारण प्रदर्शन देखने को मिला। सलामी जोड़ी बेयरस्टो (30) और मलान (28) ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी की। मलान के आउट होते ही तीसरे नंबर के बल्लेबाज जो रूट भी जल्दी ही आउट हो गए। इसके बाद बेयरस्टो भी पवेलियन लौट गए। फिर तो टीम की विकेटों की झड़ी लग गई। हालांकि दूसरे छोर से बेन स्टोक्स टिक रहे लेकिन वो भी अकेले क्या कर पाते। इस दौरान उन्होंने 45 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से लाहिरू कुमारा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए। जिस कारण उन्हें मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जबकि मैथ्यूज और रजिथा को दो-दो विकेट की सफलता मिली। इसके अलावा महीश तीक्षणा को 1 विकेट मिला। इसके साथ ही इंग्लैंड की 5 मैचों में ये चौथी हार है। इंग्लैंड के लिए अब सेमीफाइनल में पहुंचना बेहद मुश्किल या असंभव जैसा है। इस हार के साथ ही इंग्लिश टीम प्वाइंट्स टेबल में नीचे से दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। जबकि श्रीलंका टीम को इस जीत से फायदा हुआ है। अब वे 5वें नंबर पर आ गए हैं।

टी-20 श्रृंखला में टीम के प्रभारी हो सकते हैं लक्ष्मण

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान भारतीय टीम के प्रभारी हो सकते हैं। यह श्रृंखला विश्व कप समाप्त होने के एक सप्ताह के भीतर शुरू होगी। विश्व कप के साथ मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का अनुबंध भी खत्म हो जाएगा और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पास विकल्प होगा कि वह इस पूर्व भारतीय कप्तान से पुनः आवेदन का आग्रह करे क्योंकि बीसीसीआई को नियमों के अनुसार इस पद के लिए पुनः आवेदन मंगवाने होंगे। यह देखना रोचक होगा कि 51 वर्षीय द्रविड राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में बरकरार रहना चाहते हैं या नहीं क्योंकि इसके तहत काफी यात्रा करनी होती है और लगातार दबाव रहता है। संभावना है कि आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों को कोचिंग दे चुके द्रविड़ इस टी20 लीग में वापसी कर सकते हैं जिसमें अब 10 टीम खेलती हैं।

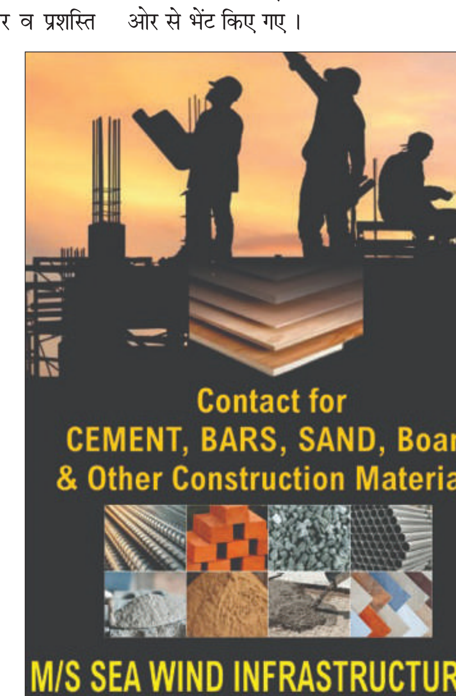

सुनो! 80 करोड़ का ठेका है, जलशक्ति मंत्री को भी 'कट' देना है

दो लोग टेंडर में कमीशनखोरी पर कर रहे बातचीत

जन अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने 2021 का जारी किया आडियो

सीएम योगी से की जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरों टॉलरेंस की नीति की कलई खोलता एक आडियो आजकल चर्चा में है। कथित आडियो में जलशक्ति मंत्री को ठेके में कट देने की बात करते दो लोग सुनाई दे रहे हैं। इस आडियो की जांच सीएम से करने की मांग जन अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने की है।

पूर्व आईपीएस ने मुख्यमंत्री यूपी योगी आदित्यनाथ को जलशक्ति विभाग, उत्तर प्रदेश के टेंडर में भारी घोटाले सहित कतिपय अन्य गंभीर आरोपों के संबंध में शिकायत भेज कर जाँच की भी मांग की है। उन्होंने अपनी शिकायत के साथ दो व्यक्तियों की 4.03 मिनट की बातचीत की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी है। बातचीत अगस्त 2021 की बताई गयी है। बातचीत में एक कंपनी, जिसका नाम एप्पइन्वेंटिव टेक्नोलॉजीज बताया गया है, को शीघ्र ही जल संसाधन विभाग से अस्सी करोड़ रुपये का टेंडर मिलने की बात है। कहा जा रहा है कि यह मात्र तीन महीने का काम है और इस अस्सी करोड़ में लगभग चालीस करोड़ काम करने और लोगों को हिस्सा देने में चले जायेंगे। बाकी लभगभ चालीस-पैंतालिस करोड़ की सीधी बचत हो जाएगी। इसमें जल शक्तिमंत्री को भी कुछ हिस्सा दिया जाएगा।

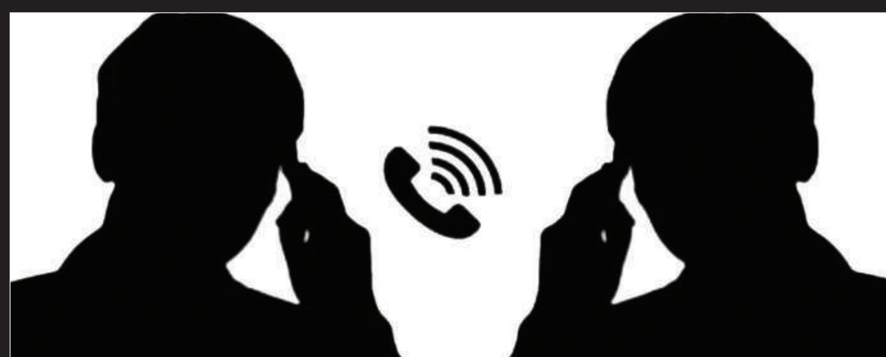

'हर मंत्री को चुनाव के लिए फंड देना होता है'

नहीं नहीं हैं भाभी, लालची नहीं, पैसे चाहिए होते हैं न, फंड करना होता है, हर मंत्री को सरकार को देना होता है न इलेक्शन के लिए , हर मंत्री को, पचास तुम दो, पचास तुम दो, तो उनको पे करना होता है।
हाँ उनको भी करना होता है
वही न, तो सबसे बड़ा मंत्रालय, तो उनको भी आर्डर आएगा इलेक्शन के लिए , दो करोड़, पांच करोड़, दस करोड़, तुम दो इनका तो अभी यूपी गवर्नमेंट से जो पैसा आ रहा है, वो यही है, ये वाला जो टेंडर है अस्सी करोड़ का हाँ ये वाला एक तारीख को एक्सीक्यूट आ जायेगा, सारी फॉर्मेलिटी हो चुकी है, तीन कंपनी सेलेक्ट हुई हैं, तीनों कंपनी हमारी हैं, और एक तारीख को आर्डर मिल जायेगा।
तीनों कैसे हमारी है, एक इन्होने सतेंदर की करायी है, एक अपनी करायी है, एक सतेंदर की है, एक अवेंचार है,अच्छा एक अवेंचार को भी करा दिया,अवेंचार तो छोटा है, तीनों ही हैं, मतलब ये कि बड़े हम हैं, बाकि दो छोटे हैं,और इनके अलावा एक पुराना है। वो तो चल ही रहा है जल शक्ति मंत्रालय का हमारा तैंतीस लाख रुपये महीना वाला वो चल रहा है
बड़ा काम अब यही आ रहा है। उसी में इनवलूड है, मंत्रीजी का सोशल मीडिया उसी में इनवलूड है। देखो, मंत्रीजी का जो हम विभाग का काम करते हैं उनका पूरा उसी से निकलता है। मंत्रीजी को पर्सनली पैसा नहीं दिया जाता है, वो विभाग से आता है, और अब जो मंत्रीजी का जायेगा वो उनका कट जायेगा, वो सबका है मतलब, लगा लो। अस्सी करोड़, तो उसमे चालीस का तो खर्चा ही हो गया, चालीस ही तो बचेगा, चालीस अपने को कहाँ मिलेगा। खर्चा-वरचा सब कुछ, खर्चा और बाँट के चालीस बच जायेगा। हाँ, चालीस का प्रॉफिट है आराम है, चालीस-पैंतालिस का आराम से, चालीस मतलब मेरी मेरी बतर हुई तो बोल रहा था कि चालीस करोड़ का होगा नहीं, उससे कम ही रहेगा, अब तीन महीने का ये प्रोजेक्ट है भाभी मात्र ये, चालीस करोड़ का प्रॉफिट है।

आडियो की ट्रांसक्रिप्ट

चाहें कोई भी हों, पियूष सर को तो नहीं कह रहा मैं, सुदीप सर हों, दिलीप सर हों, दिलीप सर तो इतना काटते हैं, इतना काटते हैं, इस बार जो काम आया है वह डिस्ट्रिक्ट वाइज है, हम लोगों पर जो है वह यूपी वेस्ट का काम है, हमें यूपी वेस्ट के 15 जिला हैं, बाकी लखीमपुर वगैरह का, हमारे जो पार्टनर हैं, उन्हें मिला है, तो दिलिप गुप्ता फोर्स कर रहे हैं कि मेरे भाई को दिलाओ लखीमपुर का काम, आयुष को फोन करे जा रहा है, हाँ दिला दो सप्लाई का।
ओ, हाँ, हाँ, हाँ, अच्छा ये बताओ अभी कौन सा प्रोजेक्ट मिला है और कितना उसमे फायदा है,अभी जो प्रोजेक्ट मिला है, उसमे अस्सी करोड़ का है हमारा। अस्सी करोड़ का, वह मंथली है या पूरा प्रोजेक्ट? नहीं, नहीं पूरा प्रोजेक्ट का। वह पूरा टेंडर होता है, तीन महीने का.
तीन महीने का, तो कितना देंगे?
हाँ तीन महीने का, वो जो है वो सौ करोड़ से ऊपर का है, उसमे जो हैं तीन बन्दे हैं, उसमे अस्सी करोड़ का हमारा है, बाकि इनका है. । और अभी एक और टेंडर आएगा, वो होगा दिसंबर के बाद जो डे? सौ करोड़ का हमारा होगा। अस्सी करोड़ में चालीस करोड़ में ये है कि चालीस करोड़ के आसपास हमारा खर्चा होगा। चालीस करोड़ बच जायेगा। चालीस करोड़ बचेगा
मतलब ,तो ये चुनाव वाला पैसा है या बोल नहीं रहे थे चुनाव के प्रचार वाला मिलेगा,नहीं नहीं नहीं, ये तो उसमे से है कि इसमें मंत्रीजी का जो कट है, वो रखना पड़ेगा साइड में, जैसे अभी गए लखनऊ तो दस लाख का लैपटॉप देकर आये डिपार्टमेंट हेड है,अखंड को। हाँ अखंड को देकर आये हैं, और अभी रिषभ को भी देना प?ेगा, रिषभ को पैसे नहीं चाहिए, फ्लैट चाहिए.
और मंत्री जी को भी जायेगा ?
मंत्री को हमारे साथ ही रहेगा, वो बोलेंगे, उसका क्या करना है, वो बताएँगे, तब उसको वो करना पड़ेगा, वो ऐसे तो नहीं लेंगे। क्या हुआ?

फोटो : 4पीएम

बाल्मीकि जयंती भाजपा प्रदेश कार्यालय में महर्षि बाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में हवन एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर भाजपा संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह और प्रदेश मंत्री अमित बाल्मीकि ने महर्षि बाल्मीकि की पूजा और हवन कर प्रसाद वितरण किया। इस दौरान भाजपा के तमाम कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आजम खां व अब्दुल्ला की जमानत पर आज फिर सुनवाई

» जौहर विवि में पालिका की मशीन मिलने का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। जौहर यूनिवर्सिटी में पालिका सफाई की मशीन बरामद होने के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खां की जमानत याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई नहीं हो सकी। इस मामले में उनके अधिवक्ताओं की ओर से स्थगन प्रार्थना पत्र दिया गया था। इसे स्वीकार करते हुए सुनवाई के लिए कोर्ट ने शुक्रवार की तारीख निर्धारित की है।

सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दोस्त सालिम और अनवार की निशानदेही पर

पुलिस ने पिछले साल सितंबर में जौहर यूनिवर्सिटी से रामपुर नगर पालिका की रोड क्लीनर मशीन बरामद की थी। यह मशीन यूनिवर्सिटी कैंपस में दबाई गई थी।

इस मामले में भाजपा नेता बाकर अली खां की ओर से सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम व अनवार व सालिम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस मामले की विवेचना कर चार्जशीट भी कोर्ट में दाखिल कर चुकी है। इस मामले में आरोपी अनवार व सालिम को जमानत मिल चुकी है।

जयाप्रदा मामले में भी टली सुनवाई

केमरी थाने में पूर्व सांसद जयाप्रदा के खिलाफ दर्ज आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में भी बृहस्पतिवार को सुनवाई नहीं हो सकी। 2019 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान केमरी थाने में उनके खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में सुनवाई होनी थी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी।अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि इस मामले में गवाह को पेश होना था, लेकिन गवाह नहीं पहुंचा। अब सुनवाई के लिए दस नवंबर की तारीख निर्धारित की गई है।

वैदिक काल से ही रही है श्रीअन्न की उपयोगिता : योगी

» सीएम योगी ने किया तीन दिवसीय श्रीअन्न महोत्सव का शुभारंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय आयोजित श्री अन्न महोत्सव तथा राज्य स्तरीय श्री अन्न प्रदर्शनी एवं कार्यशाला के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के साथ श्रीअन्न प्रदर्शनी देखी।

इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष-2023 के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीअन्न महोत्सव तथा राज्यस्तरीय श्री अन्न प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने श्रीअन्न की खेती से जुड़े प्रगतिशील किसानों

फोटो : सुमित कुमार

(कृषक उत्पादक संगठनों) को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि पुरस्कार के रूप में दी तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों को 95-95 लाख रुपये दिए गए।

श्रीअन्न प्रदर्शनी एवं कार्यशाला के शुभारंभ के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा- कृषि और कृषि अनुसंधान में व्यापक परिवर्तन लाकर किसानों के जीवन में बदलाव लाएंगे। इस दिशा में यह श्री अन्न महोत्सव मील का पत्थर साबित होगा। वैदिक काल से ही श्री अन्न की उपयोगिता रही है। व्रत के दौरान ऐसे चिन्हित श्री अन्न का उपयोग ही कर सकते हैं। इसका महत्ता का वर्णन हमारे वेदों में भी है। कम खेती में अधिक उत्पादन करने का लक्ष्य था। उसे पूरा किया जा चुका है। हमारे वैज्ञानिकों के परिश्रम से यह संभव है। ज्यादातर श्रीअन्न को पैदा करने के लिए बहुत कम पानी की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों का असर यह है कि भारत के लगभग हर परिवारों में किसी न किसी श्रीअन्न का उपयोग किया जाने लगा है। उन बहनों का भी धन्यवाद जिन्होंने श्रीअन्न से सुंदर और स्वादिष्ट पकवान तैयार किये हैं। लोग खाने में रुचि ले रहे हैं।

60 करोड़ लोग मोटे अनाज का कर रहे हैं सेवन : शाही

कार्यक्रम के शुभारंभ में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की नेतृत्व में करीब यूपी 30 जिलों में मिलेट्स के अनाजों की खरीद एमएसपी के रेट पर की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज मोटे अनाज की खेती हो या योग पूरी दुनिया इसे स्वीकार रही है। यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। करीब 60 करोड़ लोग मोटे अनाज का सेवन कर रहे हैं। पश्चिमी देशों ने भी स्वीकारा है। मोटे अनाज की मांग बढ़ने से हमारे किसानों को लाभ हो रहा है। मोटे अनाज की खेती में खाद और पानी की जरूरत कम पड़ती है। खेती पर लागत कम आएगी तो तो मुनाफा अधिक होगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।